पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा में डिप्लोमा	कार्यक्रम कोड : डीएनएचई
Diploma in Nutrition and Health Education	**Programme Code : DNHE**

उद्देश्य (Objectives) :

- विद्यार्थी को पोषण एवं जन स्वास्थ्य समस्याओं की मूल अवधारणाओं से परिचित करवाना।
- इस पाठ्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों को पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा की जानकारी प्रदान करना।
- विद्यार्थियों को पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रमों के नियोजन, निरूपण, अनवीक्षण, मूल्यांकन में दक्षता प्राप्त करने में भी सहायता करना।

प्रवेश योग्यता (Admission Eligibility) :

किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 या इसके समकक्ष अथवा 1989 से पूर्व हायर सैकेण्डरी उत्तीर्ण

अवधि (Duration) : न्यूनतम 1 वर्ष ; अधिकतम 4 वर्ष

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री दोनों अंग्रेजी/हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक (Credit) : 24

शुल्क (Fee) : रूपये 2100/–(रूपये दो हजार एक सौ मात्र),

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

इस कार्यक्रम में निम्नांकित चार पाठ्यक्रम हैं तथा विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री अंग्रेजी एवं हिन्दी दोनों में उपलब्ध करवायी जाएगी।

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	समुदाय और पोषण	डीएनएचई–01	6
2.	जन स्वास्थ्य और स्वच्छता	डीएनएचई–02	6
3.	पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा	डीएनएचई–03	6
4.	परियोजना कार्य–पोषण और स्वास्थ्य शिक्षा	डीएनएचई–04	6

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern) :

न्यूनतम अवधि अर्थात् 1 वर्ष बाद विद्यार्थी की प्रत्येक पाठ्यक्रम में तीन घंटे की लिखित सत्रांत परीक्षा आयोजित होगी। चौथा विषय प्रोजेक्ट कार्य है जिसकी प्रोजेक्ट रिपोर्ट के बारे में विद्यार्थी को विश्वविद्यालय में कार्यक्रम संयोजक या परामर्शदाता से सम्पर्क कर प्रोजक्ट कार्य के लिए आहार, स्वास्थ्य व किसी रोग से सबंधित विषय का चयन करना होगा एवं परियोजना कार्य पूरा कर सत्रांत परीक्षा से पूर्व विश्वविद्यालय में जमा कराना होगा, प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा। प्रोजेक्ट लगभग 10,000 हजार शब्दों का होना चाहिये। जो ए– 4 साईज के पृष्ठ पर टंकित हो व स्पाइरल बाइण्ड हो। यह प्रोजेक्ट रिपोर्ट व्यक्तिगत रूप से या रजिस्टर्ड डाक से परीक्षा नियंत्रक को परीक्षा से एक माह पूर्व अनिवार्य रूप से पहुँच जानी चाहिए। इसके बाद प्राप्त होने वाली प्रोजेक्ट रिपोर्ट का मूल्यांकन अगले वर्ष के विद्यार्थियों के साथ शामिल किया जाएगा। उत्तीर्ण होने के लिए विद्यार्थी को प्रत्येक विषय में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा। सफल विद्यार्थियों को निम्न तालिका के अनुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी–

प्रथम श्रेणी	–	60 प्रतिशत एवं 48 प्रतिशत अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48 प्रतिशत एवं 60 प्रतिशत से कम
उत्तीर्ण	–	36 प्रतिशत एवं 48 प्रतिशत से कम